आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–07 *फरवरी* 2025 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर राज्यसभा में धन्यवाद प्रस्ताव का दिया जवाब, कहा उनकी सरकार के विकास के मॉडल में राष्ट्र प्रथम है।
- प्रयागराज महाकुंभ में उन्तालीस करोड़ चौहत्तर लाख से अधिक श्रद्धालु कर चुके हैं पवित्र स्नान, महाशिवरात्रि पर गंगा स्नान के लिए वाराणसी पहुंचने लगे प्रमुख अखाड़ों के सन्यासी।
- प्रयागराज में हुआ जनजातीय युवा कुंभ का आयोजन, देश भर से आठ हजार से अधिक आदिवासी युवाओं ने लिया हिस्सा।
- नई दिल्ली में दस फरवरी को परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का होगा आयोजन, विद्यार्थियों से संवाद करेंगे प्रधानमंत्री।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि उनकी सरकार के विकास के मॉडल में राष्ट्र प्रथम है और यह तुष्टिकरण पर नहीं बल्कि संतुष्टिकरण पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि लोगों ने यह मॉडल परख लिया है, और इसे समर्थन दिया है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का उत्तर देते हुए राज्यसभा में यह बात कही।

मुझे अगर एक शब्द में कहना है तो मैं यह कहूंगा नेशन फर्स्ट। इसी एक उम्दा भावना और समर्पित भाव से हमने लगातार अपने नीतियों में अपने कार्यक्रमों में, हमारी वाणी में, वर्तन में इसी एक बात को मानदण्ड मान करके देश की सेवा करने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रपति का अभिभाषण देश की उपलब्धियों, भारत से दुनिया की अपेक्षाओं, देश के जनसाधारण के आत्मविश्वास और विकसित भारत के संकल्प का विस्तृत व्याख्यान है।

****

प्रयागराज महाकुंभ में कल सतहत्तर लाख बीस हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने पवित्र त्रिवेणी संगम में डुबकी लगाई। तेरह जनवरी से लेकर कल शाम तक उन्तालीस करोड़ चौहत्तर लाख से अधिक श्रद्धालु संगम स्नान कर चुके थे। केंद्र सरकार में राज्य मंत्री रामदास अठावले, दुर्गादास उइके, श्रीपद नाइक और हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी कल संगम स्नान किया। श्री नाइक ने संगम स्नान के बाद महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिये की गई व्यवस्था की सराहना की।

जिस तरह से व्यवस्था यहाँ बनाई है वो कहने के लिए कोई हमारे पास शब्द नहीं है। देश भर के सभी लोगों के उनके सभी लोगों की तरफ से मैं फिर एक बार योगी जी का और मोदी जी का तय दिल से धन्यवाद करता हूँ की इतना बड़ा मेला उन्होंने यथास्थिति में सभी सुविधा सभी को देके पूरा हो रहा है।

बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान भी दो दिवसीय दौरे पर कल प्रयागराज पहुंचे। उन्होंने विभिन्न अखाड़ों में साधु–संतों से मुलाकात की। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और अरुणाचल प्रदेश के परिवहन और सहकारिता मंत्री ओजिंग तासे भी महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए कल प्रयागराज पहुंचे।

इस बीच, देश के अलग अलग हिस्सों से रेलवे आज भी पचास से अधिक महाकुंभ स्पेशल रेल गाड़ियों का संचालन कर रहा है। इनका विवरण रेल मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर उपलब्ध है।

गोवा सरकार ने राज्य के श्रद्धालुओं को प्रयागराज महाकुंभ तक मुफ्त यात्रा की सुविधा देने के लिए तीन विशेष ट्रेनों की घोषणा की है। गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने पणजी के कर्माली रेलवे स्टेशन से कल करीब एक हजार श्रद्धालुओं को प्रयागराज ला रही पहली विशेष ट्रेन को रवाना किया।

****

संगम में तीन अमृत स्नान पूरे करने के बाद प्रमुख अखाड़ों के सन्यासियों का महादेव की नगरी वाराणसी पहुंचने का सिलसिला शुरू हो चुका है। महाशिवरात्रि के दिन ये अखाड़े काशी में गंगा स्नान करेंगे। परम्परा के अनुसार कई अखाड़े कुम्भ का समापन काशी में करते हैं। उधर, प्रयागराज महाकुंभ में हो रही भीड़ को देखते हुए वहां के जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने विद्यार्थियों को आवागमन की असुविधा से बचाने के लिए कक्षा एक से आठवीं तक के सभी स्कूलों में आज से बारह फरवरी तक ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का आदेश जारी किया है।

****

प्रयागराज महाकुंभ में जनजातीय सांस्कृतिक समागम के तहत कल जनजातीय युवा कुंभ का आयोजन किया गया। इसमें देशभर से आठ हजार से अधिक आदिवासी युवाओं ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर केंद्र सरकार में जनजातीय मामलों के राज्य मंत्री दुर्गादास

उइके ने युवाओं से सामाजिक समरसता की दिशा में काम करने और देश को आत्मनिर्भर बनाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न राज्यों के पचीस युवाओं को सम्मानित किया गया, जिन्होंने आदिवासी समुदाय के लिए बेहतर काम किया है। एक रिपोर्ट

युवा कुंभ के दौरान सभी युवाओं ने जनजातीय संस्कृति और परंपराओं को संरक्षित करने का संकल्प लिया। आकाशवाणी समाचार से बात करते हुए युवाओं ने बताया कि जनजातीय समुदाय के सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिए वे काम करेंगे। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के राष्ट्रीय अध्यक्ष सतेंद्र सिंह ने बताया– शोभा यात्रा के रूप में बाजे–गाजे के साथ, वेशभूषा के साथ, सब लोग संगम की ओर जाएंगे और वहां समाप्त होने के बाद आप सब संगम में डुबकी लगाएंगे। फिर दो–तीन दिन लगातार शाम–शाम में चार मंचों पर यह सांस्कृतिक कार्यक्रम होगा। इसके अलावा देशभर के 120 सांस्कृतिक नृत्य दल अपनी पारंपरिक कलाओं का प्रदर्शन करेंगे। दीपेंद्र कुमार, आकाशवाणी समाचार, प्रयागराज।

****

देश में तीन नए आपराधिक कानूनों के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए प्रयागराज महाकुंभ मेले में एक डिजिटल प्रदर्शनी लगाई गई है। ये कानून हैं भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम। पिछले साल एक जुलाई को तीनों नए कानून पूरे देश में लागू किए गए थे। प्रस्तुत है एक रिपोर्ट

महाकुंभ मेला सिर्फ आस्था का ही केंद्र नहीं है, बल्कि श्रद्धालुओं को उनसे जुड़ी कानूनी अधिकारों और न्याय के संबंध में जानकारी पहुंचाने का माध्यम भी बन गया है। केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने तीन नए कानूनों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मेला क्षेत्र में अलग–अलग स्टॉल लगाए हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस के हेड ऑपरेटर ओम कुमार गुप्ता ने आकाशवाणी समाचार से बात करते हुए कहा कि वे जनता को बहुत ही सरल भाषा में नए कानूनों के बारे में जानकारी दे रहे हैं । कलाकार मुन्ना लाल यादव ने आकाशवाणी को बताया कि वे नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को उनके अधिकारों और तीन नए कानूनों के संबंध में जागरूक कर रहे हैं। भारत की न्याय प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, कुशल और आधुनिक समाज की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन तीन नए कानूनों को लागू किया गया है। दीपेंद्र कुमार आकाशवाणी समाचार प्रयागराज।

****

परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम नई दिल्ली के भारत मण्डपम में इस महीने की दस तारीख को आयोजित होगा। इसकी पहली कड़ी में प्रधानमंत्री विद्यार्थियों के साथ बातचीत करेंगे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दूरदर्शन, स्वयं, स्वयं प्रभा, प्रधानमंत्री कार्यालय के यूट्यूब चैनल और शिक्षा तथा सूचना और प्रसारण मंत्रालयों के सोशल मीडिया चैनलों पर किया जायेगा। एक रिपोर्ट

परीक्षा पे चर्चा एक संवादात्मक कार्यक्रम है जिसमें भारत तथा विदेशों के शिक्षक, विद्यार्थी और अभिभावक प्रधानमंत्री के साथ चर्चा करते हैं तथा जीवन को एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए परीक्षा के तनावों से उबरने को लेकर सकारात्मक बातचीत करते हैं। इस कार्यक्रम के लिए एक ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा के जरिये छह से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों का चयन किया जायेगा। इस वर्ष मंत्रालय को विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साढे तीन करोड़ से अधिक भागीदारों के आवेदन प्राप्त हुए हैं। आकाशवाणी समाचार कक्ष से वेद प्रकाश पाठक।

शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि परीक्षा पर चर्चा कार्यक्रम के नए प्रारूप में विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व भी विद्यार्थियों के साथ बातचीत करेंगे और अपने अनुभव तथा ज्ञान साझा करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रत्येक राज्य और केंद्र शासित प्रदेश से छत्तीस विद्यार्थियों का चयन विभिन्न स्कूलों से किया गया है। इस कार्यक्रम का आठवां संस्करण आठ एपिसोड के एक नए प्रारूप में आयोजित किया जायेगा।

****

राजभवन में आज से तीन दिवसीय प्रादेशिक फल, शाकभाजी एवं पुष्प प्रदर्शनी शुरू हो रही है। इस प्रदर्शनी में एक हजार सात सौ चौहत्तर प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल की प्रेरणा से प्रति वर्ष यह प्रदर्शनी बसंत ऋतु में आयोजित की जाती है। इसे देखने के लिए लोग राजभवन के द्वार संख्या एक से प्रवेश कर सकेंगे।

****